योगिनी एकादशी व्रत कथा

योगिनी एकादशी व्रत का महत्व अत्यधिक है और इसे विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा और उपासना के लिए किया जाता है। यह एकादशी व्रत हिन्दू पंचांग के अनुसार **आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी** को मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की उपासना करने से समस्त पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है।

योगिनी एकादशी व्रत कथा

महाभारत के अनुशासन पर्व में **युधिष्ठिर महाराज** ने भगवान श्री कृष्ण से योगिनी एकादशी के व्रत के महत्व के बारे में पूछा। भगवान श्री कृष्ण ने उन्हें एक अद्भुत कथा सुनाई, जो इस व्रत के महत्व को समझाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कथा इस प्रकार है:

एक समय की बात है, एक नगर में एक ब्राह्मण अपनी पत्नी और बच्चों के साथ निवास करता था। वह अत्यंत धार्मिक और पुण्यात्मा था, लेकिन उसकी पत्नी अत्यधिक अहंकारी और कठोर स्वभाव की थी। वह हमेशा पति के धार्मिक कार्यों का मजाक उड़ाती और उनका विरोध करती थी। एक दिन वह ब्राह्मण **योगिनी एकादशी के व्रत** को लेकर सोच रहा था कि किस प्रकार इस दिन भगवान विष्णु की उपासना कर सके।

उसकी पत्नी ने उसका मजाक उड़ाते हुए कहा, "तुम लोग सब बेकार के व्रत करते हो, इससे क्या फायदा? इस तरह के व्रत से कोई लाभ नहीं होता।"

ब्राह्मण ने अपनी पत्नी को समझाया कि भगवान विष्णु के व्रत से पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है, लेकिन पत्नी ने उसकी बातों को नकारते हुए व्रत को करने से इनकार कर दिया। ब्राह्मण ने अपने ह्रदय में दृढ़ निश्चय किया और एकादशी का व्रत किया।

व्रत के दिन उसने **भगवान विष्णु** की पूजा की और भक्ति भाव से मंत्रों का जाप किया। दूसरी ओर उसकी पत्नी ने व्रत को न मानते हुए भोजन किया और आराम किया।

भगवान विष्णु ने ब्राह्मण की भक्ति को देखकर उसकी पूजा स्वीकार की और उसे आशीर्वाद दिया। कुछ समय बाद ब्राह्मण के घर में समृद्धि और सुख-शांति आई। जब उसकी पत्नी ने यह देखा, तो वह समझ गई कि उसके पति का व्रत ही उनके जीवन में समृद्धि और खुशी का कारण था।

उसकी पत्नी ने भगवान विष्णु की पूजा की और योगिनी एकादशी का व्रत अपनाया। इससे उसकी नकारात्मक सोच समाप्त हो गई और उसने अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस किया।

महत्व

यह कथा हमें यह शिक्षा देती है कि **योगिनी एकादशी** का व्रत न केवल शारीरिक और मानसिक शुद्धता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भगवान विष्णु के प्रति आस्था और भक्ति को भी बढ़ाता है। इस व्रत को करने से समस्त पाप समाप्त होते हैं, और जीवन में समृद्धि, सुख और शांति का वास होता है।

योगिनी एकादशी का व्रत उन सभी के लिए अत्यंत लाभकारी है जो जीवन में शांति, समृद्धि और आत्मिक उन्नति की कामना करते हैं। इसे श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाना चाहिए।

जय श्री कृष्ण